फरवरी 2026

मेष

नवग्रहों की गणना से पता चलता है कि, वर्तमान समय आपके लिये मिश्रित फलकारक है माह के प्रारम्भ में आपको थोड़ी प्रतिकूलता का सामना करना पड़ सकता है। किन्तु बाद में परिस्थिति आपके अनुकूल हो जायेगी किन्तु आप आर्थिक पक्ष को लेकर सावधानी रखें परिवार में व्यर्थ के वाद-विवाद से बचें अन्यथा क्लेश की स्थिति बन जायेगी। आपके लिये अदालती कार्य में सफलता जरूर शांतिप्रदायक है। आप अनुकूलता हेतु **'ललिताम्बा साधना'** (जनवरी 2026) सम्पन्न करें। शुभ तिथिया - 9, 17, 26, 27 हैं।

वृषभ

आलस्य एक ऐसी चीज है, जिससे व्यक्ति की सफलता भी असफलता में बदल जाती है, इसलिये आज के कार्य को कल पर न टालें और कर्म पथ पर गतिशील रहें। परिवार में किसी के स्वास्थ्य को लेकर थोड़ी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। किसी सामाजिक समारोह विवाह इत्यादि में शामिल होने का अवसर प्राप्त होगा जिस कारण मित्रों एवं रिश्तेदारों से मुलाकात होगी। आप अनुकूलता हेतु **'महामृत्युंजय अनुष्ठान'** (जनवरी 2026) सम्पन्न करें। शुभ तिथियां - 4, 15, 20, 28 हैं।

मिथुन

समय भाग्योदय कारक है, परिश्रम द्वारा समय का लाभ उठायें। उन्नति केवल योजना बनाने से नहीं होती, परिश्रम द्वारा योजनाओं को साकार करने से होती है। नौकरी क्षेत्र से जुड़े व्यक्ति कार्य के प्रति लापरवाही न करें अन्यथा उच्च अधिकारी के क्रोध का सामना करना पड़ेगा। परिवार में किसी के स्वास्थ्य को लेकर समय और धन दोनों खर्च हो सकते है। विद्यार्थी वर्ग के लिये समय अनुकूल है। आप अनुकूलता हेतु **'विजय गणपति साधना'** (जनवरी 2026) सम्पन्न करें। शुभ तिथियां - 18, 19, 27, 28 हैं।

कर्क

कार्य में जब तक सफलता न मिले, उसे तब तक गोपनीय ही रखना चाहिये। इस माह आय के संसाधन बढ़ाने के लिये नवीन योजनायें बनायेंगे, किन्तु जब तक आपके प्रयास पूर्ण न हों जायें, गोपनीयता बनाये रखें। व्यर्थ के वाद-विवाद से अपने को दूर रखें अन्यथा आपकी उन्नति प्रभावित हो सकती है। साथ ही व्यक्ति के लिये सबसे महत्वपूर्ण उसका परिवार होता है, इसलिये कार्य की व्यस्तता में परिवार की अनदेखी न करें। आप अनुकूलता हेतु सद्गुरुदेव से **'कार्य सिद्धि दीक्षा'** ग्रहण करें। शुभ तिथियां - 2, 14, 20, 25 हैं।

सिंह

भावनात्मक निर्णय के लिये कभी-कभी पछताना पड़ता है, इसलिये महत्वपूर्ण निर्णय करते समय भावनाओं की अपेक्षा बुद्धि-विवेक से निर्णय करें। लम्बित कार्य पूर्ण होने से आत्म-विश्वास में वृद्धि होगी। इस माह व्यर्थ के वाद-विवाद से दूर रहें अन्यथा शांति-संतोष मानसिक अशान्ति में बदल जायेगा। परिवार में हर्ष का वातावरण रहेगा, इस माह स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। आप अनुकूलता हेतु सद्गुरुदेव से **'रसेश्वरी मातंगी दीक्षा'** ग्रहण करें। शुभ तिथियां - 8, 17, 25, 27 हैं।

कन्या

वर्तमान समय आपके लिये लाभकारी है, व्यापार क्षेत्र से जुड़े व्यक्ति अपने कार्य विस्तार की जो योजना बना रहे हैं, उसके लिये आपको यात्रा इत्यादि पर जाना पड़ सकता है। व्यापारिक यात्राएं आपके लिये लाभप्रद होगी, अटके धन की प्राप्ति होने से आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। घर परिवार में कोई मांगलिक कार्यक्रम होगा किन्तु आपके लिये उचित रहेगा की धन का अपव्यय करने की अपेक्षा भविष्य के लिये निवेश करें। अनुकूलता हेतु **'कामाख्या साधना'** (अक्टूबर 2025) सम्पन्न करें। शुभ तिथियां - 2, 9, 12, 25 हैं।

तुला

बुद्धि-विवेक से समस्याओं का समाधान खोजें, चिन्ता करने से समस्याएं हल नहीं होती उल्टा मन के साथ-साथ स्वास्थ्य पर भी विपरीत प्रभाव पड़ सकता है। रोजगार-व्यापार में सफलतादायक समय है, दूसरे नौकरी क्षेत्र से जुड़े व्यक्तियों को पदोन्नति के रूप में लाभ हो सकता है। इस माह बेरोजगार व्यक्तियों के संघर्ष का समय समाप्त हो सकता है। विवाह योग्य युवक-युवती के विवाह का योग है। आप अनुकूलता हेतु सद्गुरुदेव से **'धूमावती दीक्षा'** ग्रहण करें। शुभ तिथियां - 4, 12, 18, 22 हैं।

वृश्चिक

आपके मान-सम्मान में वृद्धि होगी, भविष्य की जो योजना है उसके साकार होने से आत्म-विश्वास बढ़ेगा और आप दूगने उत्साह से कार्य करेगें। इस माह आप अपनी वाणी पर नियन्त्रण और संयम भी रखें अन्यथा व्यर्थ के वाद-विवाद और मानसिक अशान्ति का सामना करना पड़ सकता है। विद्यार्थी वर्ग के लिये समय बहुत ही अनुकूल है, यदि आप परिश्रम के साथ कर्म करेगें तो आश्चर्यजनक परिणाम प्राप्त होगें। अनुकूलता हेतु **'भुवनेश्वरी दीक्षा'** अवश्य ग्रहण करें। शुभ तिथियां - 2, 11, 21, 28 हैं।

धनु

माह के प्रारम्भ में आपको थोड़ी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है, किन्तु बुद्धि-विवेक के साथ हर परिस्थितियों का सामना करें। कोई नवीन कार्य अभी प्रारम्भ न करें, अन्यथा नुकसान हो सकता है। माह के अन्त में परिस्थिति एक दम बदल जायेगी धन का आगमन होगा जिससे आपके मान-सम्मान में वृद्धि होगी, मानसिक शान्ति प्राप्त होगी। विद्यार्थी वर्ग को पूर्ण सफलता प्राप्ति का योग है अनुकूलता हेतु **'शक्तिमय गुरु साधना'** (नवम्बर 2025) सम्पन्न करें। शुभ तिथियां - 15, 18, 22, 25 हैं।

मकर

जीवन में सब कुछ दुबारा मिल सकता है, किन्तु समय वापिस नहीं मिलता। अतः समय को व्यर्थ में खराब न करें, अपने कार्य व्यवसाय पर ध्यान दें। व्यापार क्षेत्र में कुछ महत्वपूर्ण निर्णय करने पड़ सकते हैं, निर्णय बुद्धि-विवेक से करें, आगे चलकर इसका आपको लाभ होगा। अविवाहित

☆ **सर्वार्थ सिद्धि योग** - 1, 8, 11, 15, 16, 20, 22, 24, 25, 27 फरवरी/1, 7, 9, 15 मार्च ☆ **अमृत योग** - 11, 20 फरवरी/20 मार्च ☆ **द्विपुष्कर योग** - 16, 24 मार्च ☆ **त्रिपुष्कर योग** - 28 फरवरी ☆ **रविपुष्य योग** - 1 फरवरी/1 मार्च ☆

युवक-युवती के श्रेष्ठ जगह विवाह का योग है। विद्यार्थी वर्ग को भी उनके परिश्रम के अनुरूप सफलता प्राप्त होगी। आप अनुकूलता हेतु सद्गुरुदेव से **'शिव गौरी दीक्षा'** ग्रहण करें। शुभ तिथियां - 6, 12, 26, 27 हैं।

कुम्भ

क्रोध अग्नि है, जिससे सोचने-समझने की शक्ति समाप्त हो जाती है। आप क्रोध का त्याग कर, कर्म पर ध्यान दें। आपके परिश्रम के फलस्वरूप आपको लाभ प्राप्त होगा, नौकरी क्षेत्र से जुड़े व्यक्तियों को उच्च अधिकारी प्रमोशन प्रदान कर सकते हैं। परिवार में किसी स्वास्थ्य को लेकर थोड़ी चिन्ता हो सकती है, किन्तु संतान पक्ष को लेकर जो समस्या और चिन्ता चली आ रही थी उसका समाधान होने से प्रसन्नता भी प्राप्त होगी। अनुकूलता हेतु **'विजय गणपति दीक्षा'** ग्रहण करें। शुभ तिथियां - 8, 19, 22, 28 हैं।

मीन

नवग्रहों की गणना बताती है कि वर्तमान समय मिश्रित फलकारक है लम्बे समय से लम्बित किसी कार्य के पूर्ण होने से आत्म विश्वास में वृद्धि होगी। व्यवसाय विस्तार के लिये आपकी जो कार्य योजना है, वह सफल होगी। परिवार में व्यर्थ की बात को लेकर क्लेश की स्थिति बन सकती है, साथ ही खान-पान को नियन्त्रित रखते हुऐ स्वास्थ्य का ध्यान रखें। परिवार में अतिथि आगमन से हर्ष का वातावरण रहेगा। आप अनुकूलता हेतु **'महामृत्युंजय अनुष्ठान'** (जनवरी 2026) करें। शुभ तिथियां - 6, 11, 17, 21 हैं।

इस मास के व्रत, पर्व एवं त्यौहार

13	फरवरी फाल्गुन कृ.-11	शुक्रवार	विजया एकादशी
14	फरवरी फाल्गुन कृ.-12	शनिवार	शनि प्रदोष
15	फरवरी फाल्गुन कृ.-13	रविवार	महाशिवरात्रि
17	फरवरी फाल्गुन कृ.-30	सोमवार	विजया एकादशी
24	फरवरी फाल्गुन शु.-08	मंगलवार	होलाष्टक
27	फरवरी फाल्गुन शु.-11	शुक्रवार	आमली एकादशी
03	मार्च फाल्गुन शु.-15	मंगलवार	होलिका दहन
03	मार्च फाल्गुन शु.-15	मंगलवार	पूर्णिमा / चन्द्र ग्रहण

काल निर्णय

साधक, पाठक तथा सर्वजन सामान्य के लिए समय का वह रूप यहां प्रस्तुत है; जो किसी भी व्यक्ति के जीवन में उन्नति का कारण होता है तथा जिसे जान कर आप स्वयं अपने लिए उन्नति का मार्ग प्रशस्त कर सकते हैं।

नीचे दी गई सारिणी में समय को श्रेष्ठ रूप में प्रस्तुत किया गया है - जीवन के लिए आवश्यक किसी भी कार्य के लिये, चाहे वह व्यापार से सम्बन्धित हो, नौकरी से सम्बन्धित हो, घर में शुभ उत्सव से सम्बन्धित हो अथवा अन्य किसी भी कार्य से सम्बन्धित हो, आप इस श्रेष्ठतम समय का उपयोग कर सकते हैं, और सफलता का प्रतिशत **99.9%** आपके भाग्य में अंकित हो जायेगा।

ब्रह्म मुहूर्त का समय प्रातः 4.24 से 6.00 बजे तक ही रहता है।

वार/दिनांक	श्रेष्ठ समय	
रविवार (फरवरी 1, 8, 15, 22) (मार्च 1, 8, 15)	दिन रात	06:00 से 10:00 तक 06:48 से 07:36 तक 08:24 से 10:00 तक 03:36 से 06:00 तक
सोमवार (फरवरी 2, 9, 16, 23) (मार्च 2, 9, 16)	दिन रात	06:00 से 07:30 तक 10:48 से 01:12 तक 03:36 से 05:12 तक 07:36 से 10:00 तक 01:12 से 02:48 तक
मंगलवार (फरवरी 3, 10, 17, 24) (मार्च 3, 10, 17)	दिन रात	06:00 से 08:24 तक 10:00 से 12:24 तक 04:30 से 05:12 तक 07:36 से 10:00 तक 12:24 से 02:00 तक 03:36 से 06:00 तक
बुधवार (फरवरी 4, 11, 18, 25) (मार्च 4, 11, 18)	दिन रात	07:36 से 09:12 तक 11:36 से 12:00 तक 03:36 से 06:00 तक 06:48 से 10:48 तक 02:00 से 06:00 तक
गुरुवार (फरवरी 5, 12, 19, 26) (मार्च 5, 12, 19)	दिन रात	06:00 से 08:24 तक 10:48 से 01:12 तक 04:24 से 06:00 तक 07:36 से 10:00 तक 01:12 से 02:48 तक 04:24 से 06:00 तक
शुक्रवार (फरवरी 6, 13, 20, 27) (मार्च 6, 13, 20)	दिन रात	06:48 से 10:30 तक 12:00 से 01:12 तक 04:24 से 05:12 तक 08:24 से 10:48 तक 01:12 से 03:36 तक 04:24 से 06:00 तक
शनिवार (फरवरी 7, 14, 21, 28) (मार्च 7, 14, 21)	दिन रात	10:30 से 12:24 तक 03:36 से 05:12 तक 08:24 से 10:48 तक 02:00 से 03:36 तक 04:24 से 06:00 तक

आज क्या करना है - वराहमिहिर वचन

किसी भी कार्य को प्रारम्भ करने से पूर्व प्रत्येक व्यक्ति के मन में संशय-असंशय की भावना रहती है कि यह कार्य सफल होगा या नहीं, सफलता प्राप्त होगी या नहीं, बाधाएं तो उपस्थित नहीं हो जाएंगी, पता नहीं दिन का प्रारम्भ किस प्रकार से होगा, दिन की समाप्ति पर वह स्वयं को तनावरहित कर पायेगा या नहीं? प्रत्येक व्यक्ति कुछ ऐसे उपाय अपने जीवन में अपनाना चाहता है, जिनसे उसका प्रत्येक दिन उसके अनुकूल एवं आनन्दयुक्त बन जाए। कुछ ऐसे ही उपाय आपके समक्ष प्रस्तुत हैं, जो वराहमिहिर के विविध प्रकाशित-अप्रकाशित ग्रंथों से संकलित हैं, जिन्हें यहां प्रत्येक दिवस के अनुसार प्रस्तुत किया गया है तथा जिन्हें सम्पन्न करने पर आपका पूरा दिन पूर्ण सफलतादायक बन सकेगा।

मार्च - 2026

1. भगवान भास्कर को अर्घ्य देकर दिन का आरम्भ करें।
2. **होलाष्टक** की पूर्व संध्या पर **'होली तंत्र साधनाएं'** (पृष्ठ सं. 12) अवश्य सम्पन्न करें।
3. **हालिका दहन** पर **'फेत्कारिणी साधना'** (पृष्ठ सं. 16) तथा **'चन्द्र ग्रहण'** (पृष्ठ सं. 33) के विशेष कल्प में विशिष्ट साधना-दीक्षा सम्पन्न करें।
4. **'बाधा निवारण गुटिका'** (न्यौं. 200/-) का प्रातः पूजन कर दिनभर जेब में रखें, बाधा समाप्त होगी।
5. ***'ॐ ह्रीं ह्रीं श्रीं श्रीं लक्ष्मी वासुदेवाय नमः'*** का प्रातः 108 बार जप करें, लाभ की स्थिति बनेगी
6. **'गणपति आरती'** सम्पन्न करें, कार्य सिद्धि होगी।
7. पीपल के पत्ते पर काले तिल रखकर घर के बाहर रख दें, बाधा समाप्त होगी
8. **रंग पंचमी** के सिद्ध कल्प में सद्गुरुदेव से **'कामदेव रति अनंग दीक्षा'** (पृष्ठ सं. 56) ग्रहण करें।
9. पांच लड्डू किसी चौराहे पर रख दें, संकट टलेगा।
10. प्रातः पांच तेल के दीपक जलायें, धन प्राप्ति होगी।
11. **कालाष्टमी** पर सद्गुरुदेव से **'तंत्र बाधा निवारण'** (पृष्ठ सं. 24) ग्रहण करें।
12. **'गुरु चेतना मंत्र'** की एक माला जप करके ही, घर से बाहर जायें, लाभ प्राप्त होगा।
13. अष्ट गंध का तिलक करके ही घर से बाहर जायें।
14. घर से बाहर निकलते समय 7 काली मिर्च लेकर जायें तथा रास्ते में निर्जन स्थान पर फेंक दें।
15. **पापमोचनी एकादशी** पर सद्गुरुदेव से **'पापांकुशा शमन दीक्षा'** (पृष्ठ सं. 20) ग्रहण करें।
16. भगवान शिव का पंचामृत से अभिषेक करें।
17. **रंग त्रयोगदशी** के शुभ अवसर पर **'रम्भा साधना'** (पृष्ठ सं. 54) सम्पन्न करें।
18. काले तिल, काले उड़द एक काले वस्त्र में बांधकर किसी शिवलिंग पर चढ़ा दें।
19. **चैत्र नवरात्रि** पर घट स्थापन कर **'चैत्र नवरात्रि त्रिशक्ति साधना पूजन'** (पृष्ठ सं. 07) सम्पन्न करें।
20. प्रातः काल चिड़ियों को अन्न के दाने डालें।
21. **'गुरु जन्म'** दिवस पर **विशेष गुरु पूजन** सम्पन्न कर, गुरु सेवा का संकल्प लें।
22. **मूंगा गणपति** (न्यौ. 300/-) का पूजन कर, कागज पर मनोकामना लिखकर, दोनों को मंदिर में अर्पित कर दें, मनोकामना पूर्ण होगी।
23. सद्गुरुदेव से **'लक्ष्मी आबद्ध'** दीक्षा ग्रहण करें।
24. सरसों का तेल 3 बार अपने सिर पर घुमाकर, हनुमान जी के चरणों में चढ़ायें, ग्रह बाधा समाप्त होगी
25. आज तीन माला **'नवार्ण मंत्र'** से यज्ञ करें।
26. दूध से बनी मिठाई खाकर अपना दिन आरम्भ करें।
27. **रामनवमीं** पर के शुभ अवसर पर पत्रिका के आगामी मार्च 26 अंक में प्रकाशित साधना-दीक्षा सम्पन्न करें।
28. एक पात्र में जल लेकर, उसमें पुष्प, कुमकुम, अक्षत डालकर पीपल के वृक्ष की जड़ में डाल दें।
29. **कामदा एकादशी** पर पत्रिका के आगामी मार्च 26 अंक में प्रकाशित साधना-दीक्षा सम्पन्न करें।
30. **अनंग त्रयोदशी** पर सद्गुरुदेव से **'कामदेव रति अनंग दीक्षा'** (पृष्ठ सं. 56) ग्रहण करें।
31. आज हनुमान चालीसा का पाठ कर घर से निकलें।